Need to confer Bharat Ratna on Bhikhari Thakur, Bhojpuri language poet, folk artist and social activist.-laid

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन **(**गोरखपुर**) :** भोजपुरी भाषा एवं लोकसंस्कृति के अमर शिल्पी भिखारी ठाकुर जी ने अपने जीवन के माध्यम से समाज को जागरूक करने, जात-पात, नशा, दहेज और महिला शोषण जैसी कुरीतियों के विरुद्ध लोकनाट्य और गीतों के माध्यम से संघर्ष किया । उन्हें भोजपुरी का शेक्सपीयर कहा जाता है । उनकी रचनाएँ आज भी ग्रामीण समाज में सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनी हुई हैं । ?बिदेसिया?, ?गबर घिचोर?, ?नइहर के मालिनिया?, ?बेटी बिचारा? जैसे उनके लोकनाट्य आज भी पूर्वांचल और भोजपुरी समाज के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक हैं । ऐसे महापुरुष को अब तक राष्ट्रीय स्तर पर वह सम्मान नहीं मिल पाया है, जिसके वे वास्तविक हकदार हैं । इसलिए मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूँ कि भिखारी ठाकुर जी को मरणोपरांत "भारत रत्न" सम्मान प्रदान किया जाए, ताकि भारतीय लोकसंस्कृति को सम्मान और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके ।